

(1 तीमुथियुस 2:4)

Capo fret 2

G A C D G A

आ - ई - ना बन - ना चाह - ते हम याह का, सब - को अप -
ना दे - खें हम तो रं - ग - रूप उन - का, ना ही दे -
इस जग का जो कर दे - ते हैं इं - कार, कर - ता य -

C D D E

ना - ने को वो है तै - यार। फ़र्क क्यों क -
खें जा - ति, ना ही पै - सा। अ - हम य -
हो - वा उन - से बे - हद प्यार। इन बा - तों

Bm C#m Em F#m

रं भ - ला हम लो - गों में, जब याह चा -
ही है दिल उन - का कै - सा— याह भी दे -
का हम कर - ते हैं इज़ - हार, कि सब सुन

C D Am Bm D E कोरस G A C D E

हे स - भी पा लें उद् - धार?
खे अं - दर का ही इं - साँ। ना ही चेह - रा, ना ज - गह, दे - खें
लें य - हो - वा की पु - कार।

G A C D G A C D E

दिल में क्या भ - रा, जब दे - ते सब को सं - देश हम याह का। कर - ते

G A Am Bm Bm C#m C D

पर - वाह उन - की हम, सो चाह - ते हैं दिल से हम, हर एक इं -

G A Am Bm D E G A

साँ बन जा - ए दोस्त याह का।